

66/63

8/12/2012

4)



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

053442



विक्रय विलेख

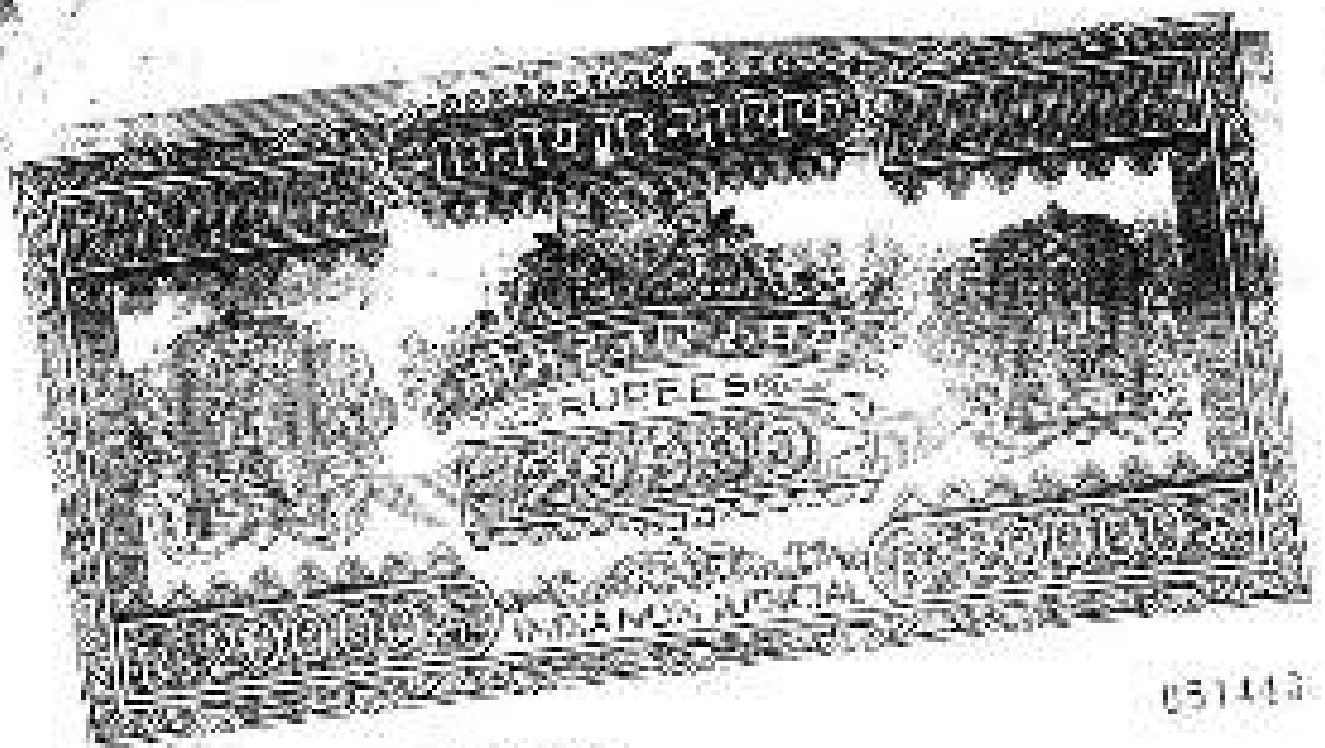
विक्रय मूल्य : ₹ 19,88,876/-
 भाव्यात मूल्य : ₹ 20,00,000/-
 स्टाफ मूल्य : ₹ 2,00,000/-
 परगना : विजयी

यह विक्रय विलेख भगवानदीन व देवकी नन्दन पुत्र
 शिवनरायन निवासी- मुखमकर नगर फुसवल, परगना
 विजयी, तहसील व जिला लखनऊ जिन्हें जमीन विक्रेता

भगवानदीन देवकी नन्दन

For Mr. Bhagwan Din Deveshi Nandan, Ltd.

Authorised Signatory



051443

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

-2-

कहा गया है एवम् केयरफुल रियल स्टेट प्राइवेट लिमिटेड
 रजिस्टर्ड आफिस- 1101 टार्लेस्टोन फ्लाकस, टार्लेस्टोन
 मार्ग, नई दिल्ली. वर्तमान पता- श्रुतीय उल,
 गार्ड 0एम0सी0ए0 बिल्डिंग, 13-राणा प्रताप मार्ग लखनऊ
 द्वारा अधिकृत दस्तावेजी श्री के0के0सिंह, पुत्र रतन महेंद्र
 सिंह वर्तमान एवं रजिस्टरी पता- श्रुतीय उल, गार्ड 0एम0सी0ए0
 बिल्डिंग, 13-राणा प्रताप मार्ग लखनऊ जिन्हें आप प्रेषण
 कहा गया है के कदम निम्नलिखित किया गया।

आदेश नं० ११७ दिनांक २०/११/२०

THE STATE OF UTTAR PRADESH
 11/11/20



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

1000

- 1 -

रुड कि विक्रेत गूनि खसरा नं 79 रुकवा 0.313, खसरा
नं 137 रुकवा 2.021, खसरा नं 140 रुकवा 0.443, खसरा नं
164स रुकवा 0.032, खसरा नं 181स रुकवा 0.023, खसरा नं
238 रुकवा 0.089, खसरा नं 278 रुकवा 0.506, खसरा नं 304
रुकवा 0.114 कुल रुकवा 3.249 के 1/2 भाग अर्थात् 1.6246
हेक्टेयर, न खसरा नं 57 रुकवा 0.387 हेक्टेयर, खसरा नं
144 रुकवा 0.152 हेक्टेयर, खसरा नं 292 रुकवा 0.215
हेक्टेयर कुल रुकवा 0.734 हेक्टेयर के 1/4 भाग 0.1835
हेक्टेयर कुल रुकवा 1.809 हेक्टेयर, स्थित ग्राम मुजवफार नगर

1000

For Sale



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

11111

11111

-4-

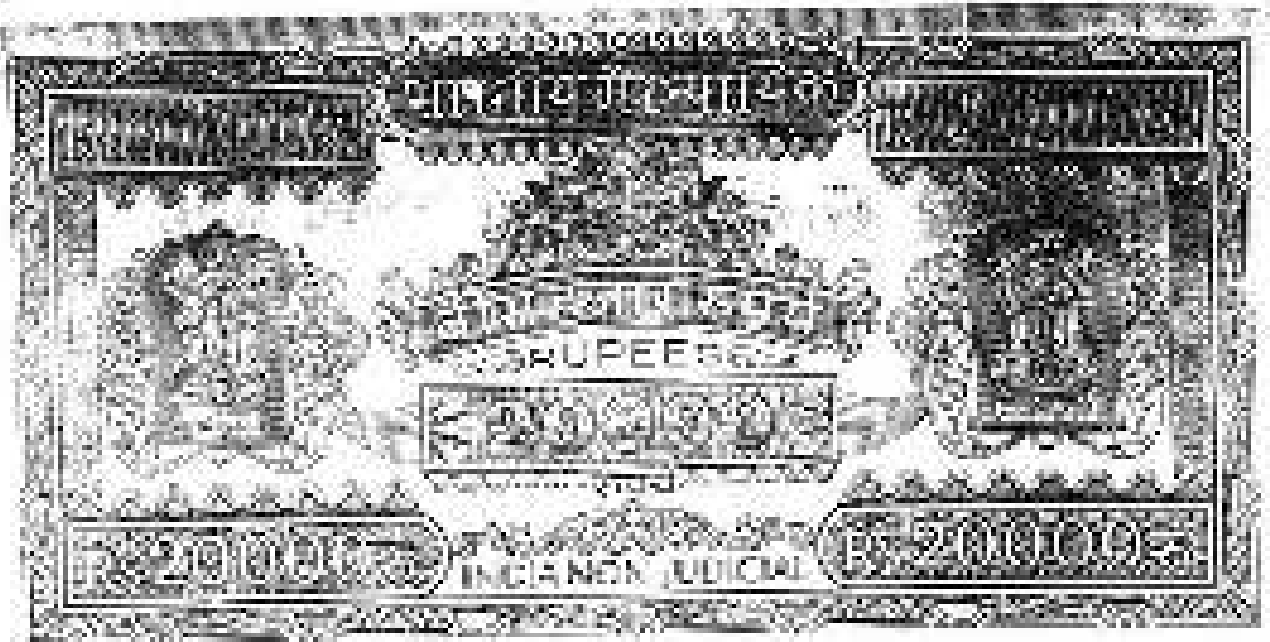
हुसैन, परगना-बिहार तहसील व जिला लखनऊ का मालिक, कानिज व कश्मिर है तथा उपरोक्त सम्पत्ति पटराशिक खाता संख्या १११ व ११२ के अनुसार भूमि बिलेता के नाम का अमल परामर्श राजस्व अभिलेखों में हो गया है। बिलेता अपना सम्पूर्ण हिस्सा बिलेता को इस विक्रय बिलेता द्वारा विक्रय कर रहा है बिलेता उपरोक्त सम्पूर्ण भूमि के मालिक, कानिज व कश्मिर है एवं वर्तमान समय में उक्त भूमि भूमि भूमि है, और यह कि बिलेता यह घोषित करता है कि उपरोक्त वर्गीकृत भूमि सभी प्रकार के भारों से मुक्त एवं साफ व स्वच्छ है तथा

महोदय। 11/11/11

11/11/11

11/11/11

11/11/11



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

151445

विक्रेता ने इसे इस विक्रय के पूर्ण नहीं बच, डिब्बा गिराये या अनुपस्थित इत्यादि नहीं किया है। उपरोक्त भूमि का सम्पूर्ण कोई भाग किसी गन्तव्यस्थ या सरकारी कार्यवाही के अन्तर्गत विवाद का वस्तु विषय नहीं है, न ही पूर्ण इत्यादि है। विक्रेता के अलावा उक्त भूमि में किसी अन्य व्यक्ति का नाम, हक या दावा इत्यादि नहीं है, एवं विक्रेता को एकत्र विज्ञापन अन्तर्गत करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। आरक्षक उपरोक्त सहमति के फलस्वरूप रु० 19,98,500/- (जुद्धा उन्नीस लाख अड़तालीस हजार आठ सौ मात्र) के प्रतिफल में जिसका कि उपरोक्त केन्द्र द्वारा विक्रेता

20/01/1980

For the Government of India
Director, Land Revenue



U.P. LKO. C.S.

115/447

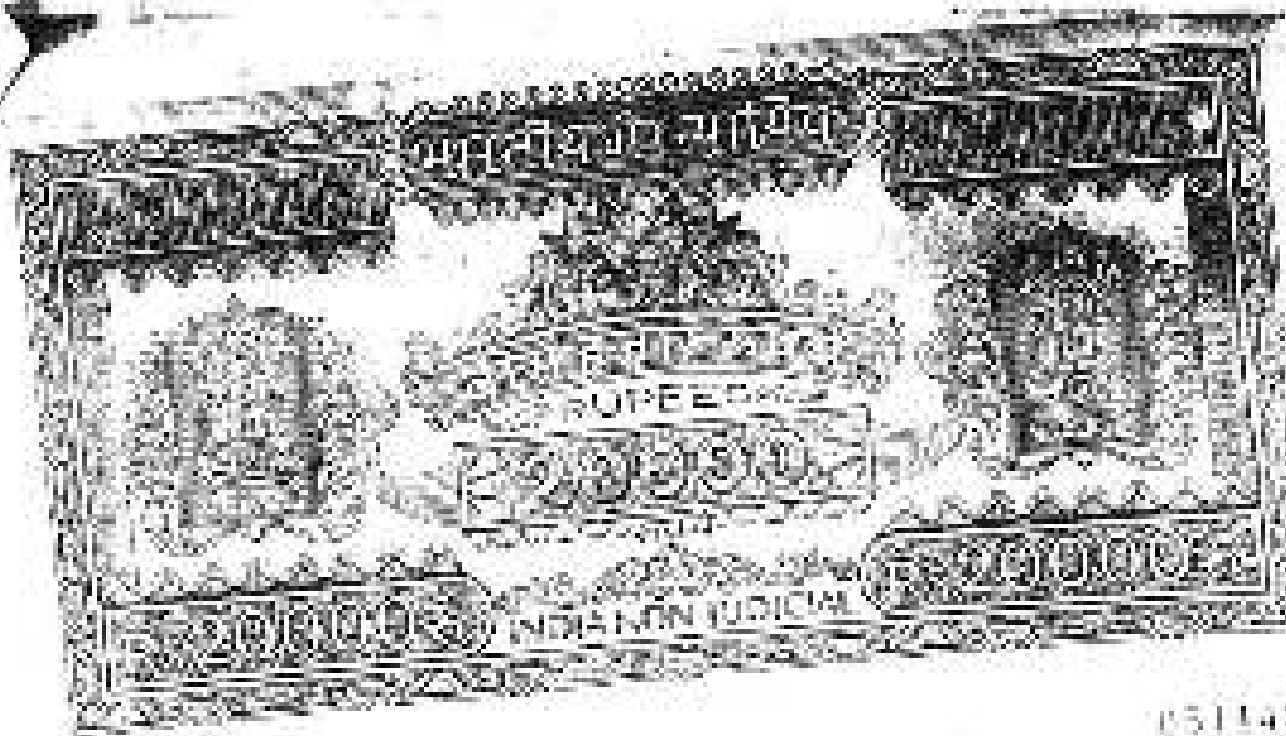
- 6 -

की इस विवेक से अन्त में दो सौ अनुसूची में वर्णित विधि से अनुसार भुगतान कर दिया गया है। एतद्विषयी प्राप्ति से विवेक यहाँ स्वीकार करता है, तदनुसार उक्त विक्रेता उक्त क्रेता के द्वारा संप्रसारित वर्णित भूमि, जिसका विवरण इस विक्रेता विवेक के अन्त में अनुसूची के अर्न्तगत दिया गया है, को कतई बेच दिया है, एवं विक्रेता ने दिखाना हुमे का मोटा पर कच्चा क्रेता को बखूबी कर दिया गया है। अब उक्त अराजी पर विवेक तथा उसके परिचालन का कोई अधिकार नहीं है। विवेक ने दिखाना सन्तति को अपने स्वामित्व से समस्त

[Handwritten signature]

800

[Handwritten mark]



अधिकारों के साथ मेलना न होना के लिए देता जो
 असाधारण कर दिया है। अब देता विवाहशुदा सम्पत्ति एवं
 उसके प्रत्येक भाग को अपने एकमात्र स्वामित्व व अधिकार में
 रखे। सम्पत्ति के रूप में धारण एवं उपयोग व उसकी
 रखरखाव। विवेका उसमें किसी प्रकार की अशुभता काया नहीं हो
 सके। सम्पत्ति एवं न ही कोई भाग कर सकने। और यदि विवाहशुदा
 सम्पत्ति अथवा कोई भाग विवेका के स्वामित्व में भुटि के कारण
 या कानूनी अशुभता या कानूनी भुटि के कारण देता या उस
 वास्तविक निष्पादन इत्यादि के कले या अधिकार या स

22/01/1960 देना 1/1/60



CE 1449

- 3 -

से लिखा जाये हो केना एषको यास्मान निम्नलिखित इत्यदि
 जे यह एउ होन कि एउ अपना समस्त नुकसान नय हर्जा न
 व्यय, विवेका की बल, क्षमर सम्पत्ति से परिये अदालत पचुल
 कर ऐ। उस रिफा मे दिखेता एवं समस्त परिस्थान हर्जा न
 खर्च देने हेतु बाध्य होगे।

तह कि जेना विक्रयानुस शर्षटि की शक्तिन धारिण
 राज्य अलिखित ने अपने नाम दर्ज करा हैं तो दिखेता को
 कोई अपरि न होगे और यह कि इस विक्रय विलेख को पूर्व
 का अगर कोई अनाया किसी तरह का भार इस सम्पत्ति पर

20101018/...

20101018

...



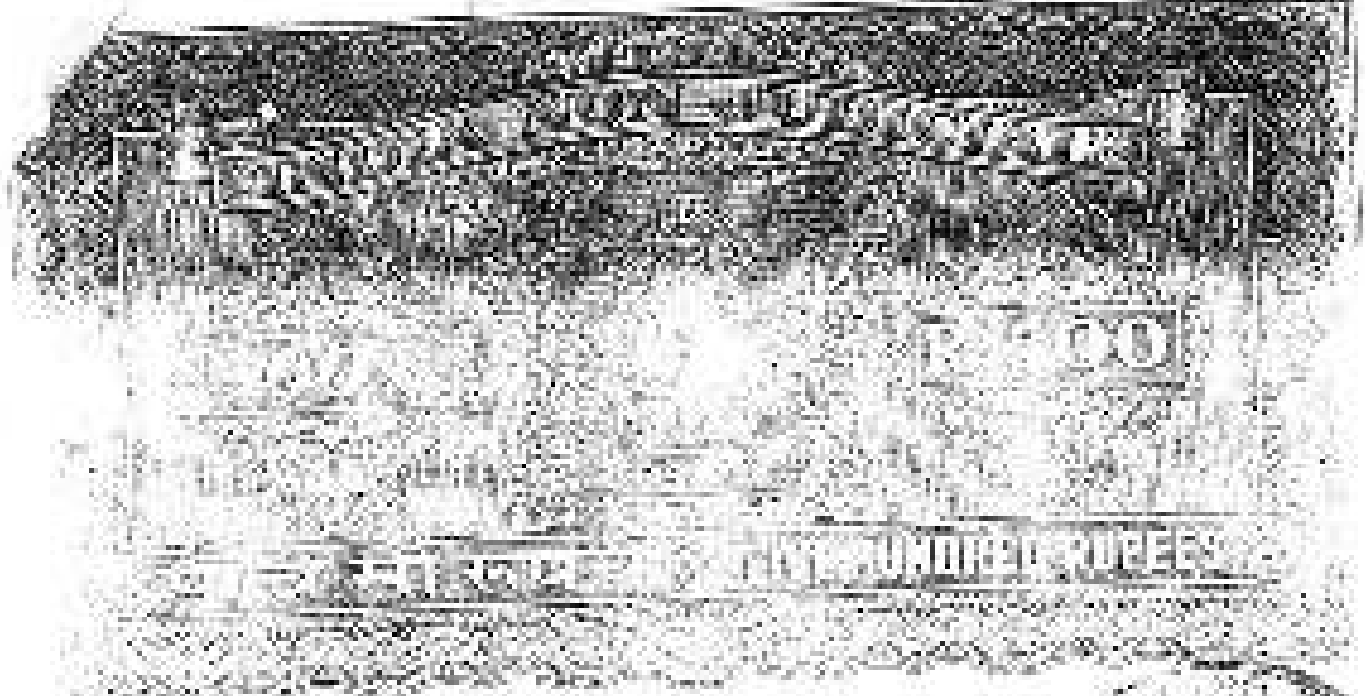
17.1.74

- 5 -

होगा जो उसको बिक्री का शुल्क न वसूल करेंगे, जिसका कोई आपत्ति न होगी।

यह कि उपरोक्त ससरा नम्बर का नुमाफकर नगर पुरावल अर्धनगरीय क्षेत्र के विविध नाम के आवासीय भाग है इसलिए निर्धारित सरकित रेट रु० 11,00,000/- प्रति डेकडर के हिसाब से बिक्रीत भूमि 0.450 हेक्टेयर की मालिकता रु० 19,80,800/- होती है तथा उक्त भूमि पर 8 पेड़ एवं 8 छिनकी मालिकता रु० 20,000/- होती है इस प्रकार भूमि का कुल मालिकता रु० 20,00,800/- होती है। विवरण मूल्य भूमि

(Signature) 17.1.74
 म. न. न्यायाधीश
 म. न. न्यायाधीश



इस विषय में विवरण का संग्रह कर लिया गया है।

लिखना यह कि यह किताब है जो कि किताब के पक्ष में
लिख दिया जाकि सन्दर्भ रहे और आवश्यकता पड़ने पर काम
आवे।

परिशिष्ट : विवरण विषयशुद्ध सम्पत्ति का विवरण

गुनि संख्या नं 79 रकम 0.013, संख्या नं 137 रकम 2.393,
संख्या नं 140 रकम 0.443, संख्या नं 14481 रकम 3.033,

2-12-2014 दिनांक पर

2-12-2014 दिनांक पर

भारतीय नगर न्यायाधिकार

एक सौ रुपये

Rs. 100

INDIA NO.

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

-12-

खसरा नं० 1611 रकबा 0.023, खसरा नं० 229 रकबा 0.008,
खसरा नं० 273 रकबा 0.598, खसरा नं० 307 रकबा 0.114 कुल
रकबा 3.249 के 1/2 भाग अर्थात् 1.6245 हेक्टेयर व खसरा
नं० 67 रकबा 0.087 हेक्टेयर, खसरा नं० 144 रकबा 0.152
हेक्टेयर, खसरा नं० 292 रकबा 0.216 हेक्टेयर कुल रकबा 0.
734 हेक्टेयर के 1/4 भाग 0.1835 हेक्टेयर कुल रकबा 3.813
हेक्टेयर स्थित ग्राम गुजवर नगर पुलिस भूतना-मिलान,
तहसील गंजिमा, जिला, लखनऊ, गिन्नी चौकरी निम्न है

अन्तर्गत दिनांक १६/११/२०२०

१०

१०



1970

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

- 12 -

संख्या 70/72

संख्या	: संख्या संख्या-72
संख्या	: संख्या संख्या-72
संख्या	: संख्या संख्या-71
संख्या	: संख्या संख्या-71

संख्या 70/137

संख्या	: संख्या संख्या-157, 158, 159
संख्या	: संख्या संख्या-134, 135, 136, 122

संख्या 70/137 संख्या संख्या-134, 135, 136, 122

1970

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

STATE OF UTTAR PRADESH

- 14 -

गुरु	: खसरा संख्या—153, 181
महिष	: खसरा संख्या—130, 136, 140, 165
<u>खसरा नं० 140</u>	
खसरा	: खसरा संख्या—154, 155
महिष	: खसरा संख्या—136, 138
गुरु	: खसरा संख्या—137, 139, 138
महिष	: खसरा संख्या—108, 145, 143

25.10.1964

भारतीय युवा-संघ

संस्थापक अध्यक्ष श्री कृष्णलाल शर्मा

D-157

NDK

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

- 11 -

संख्या नं० 144/97

- कलार : संख्या संख्या-145, 150,
- समीप : संख्या संख्या-143
- पूरुब : संख्या संख्या-152, 154
- पश्चिम : संख्या संख्या-104

संख्या नं० 161/97

- कलार : संख्या संख्या-160, 162
- समीप : संख्या संख्या-133

महोदय श्री

For Fair Credit and Social Justice

Authorized Signature

संख्या-247

संख्या-127

असरा नं० 236

संख्या-234, 250

संख्या-237

संख्या-283

संख्या-295

असरा नं० 278

संख्या-276

संख्या-289, 290,

291, 292, 293, 294, 295

संख्या-260, 261, 262,

263, 264, 265

असरा नं० 304

संख्या-303

संख्या-291

असरा नं० 304

पुरुष : उत्तरा संख्या-308

परिवार : उत्तरा संख्या-309

उत्तरा नं० 37

उत्तरा : उत्तरा संख्या-32

परिवार : उत्तरा संख्या-33, 34

पुरुष : उत्तरा संख्या-35, 36

परिवार : उत्तरा संख्या-37, 38

उत्तरा नं० 144

उत्तरा : उत्तरा संख्या-145, 150

परिवार : उत्तरा संख्या-143

पुरुष : उत्तरा संख्या-152, 154

परिवार : उत्तरा संख्या-154

उत्तरा नं० 292

उत्तरा : उत्तरा संख्या-294, 297

परिवार : उत्तरा संख्या-297

पुरुष : उत्तरा संख्या-299, 263

परिवार : उत्तरा संख्या-283

अ. ३ (२) नं० ३१ केन्द्रीय

परिशिष्ट : भुगतान विवरण

1. विजेता नं. रजि. 5, 005500/11 का बाया पैक संख्या- 453/1
दिनांकित 06.06.2008 पंजाब नेशनल बैंक इजरायल
लखनऊ क्रेता से प्राप्त किया।
2. विजेता नं. रजि. 4, 54, 400/1 का बाया पैक संख्या- 453/2
दिनांकित 06.06.2008 पंजाब नेशनल बैंक इजरायल
लखनऊ क्रेता से प्राप्त किया।
3. विजेता नं. रजि. 5, 005500/1 का बाया पैक संख्या- 453/3
दिनांकित 06.06.2008 पंजाब नेशनल बैंक इजरायल
लखनऊ क्रेता से प्राप्त किया।
4. विजेता नं. रजि. 494, 400/1 का बाया पैक संख्या- 453/4
दिनांकित 06.06.2008 पंजाब नेशनल बैंक इजरायल
लखनऊ क्रेता से प्राप्त किया।

453/1 का बाया पैक संख्या- 453/1

(18)

श्री एच. सुत सिंह जी को 150000/- रकम
एच. सुत सिंह जी को 150000/- रकम देकर
श्री एच. सुत सिंह जी को 150000/- रकम देकर

हस्ताक्षर
दिनांक 08/08/2018

2. 150000/-

श्री एच. सुत सिंह जी

गुणः

1. श्री एच. सुत सिंह जी
श्री एच. सुत सिंह जी
श्री एच. सुत सिंह जी

दिनांक

श्री एच. सुत सिंह जी को 150000/- रकम देकर

श्री एच. सुत सिंह जी को 150000/- रकम देकर

2. 150000/-
श्री एच. सुत सिंह जी को 150000/- रकम देकर
श्री एच. सुत सिंह जी को 150000/- रकम देकर

हस्ताक्षर
श्री एच. सुत सिंह जी

हस्ताक्षर
श्री एच. सुत सिंह जी
(श्री एच. सुत सिंह जी)
श्री एच. सुत सिंह जी

1. The first part of the report is a general introduction to the subject of the study.
 2. The second part is a description of the methods used in the study.
 3. The third part is a description of the results of the study.
 4. The fourth part is a discussion of the results of the study.
 5. The fifth part is a conclusion of the study.



2. The first part of the report is a general introduction to the subject of the study.
 3. The second part is a description of the methods used in the study.



1. The first part of the report is a general introduction to the subject of the study.



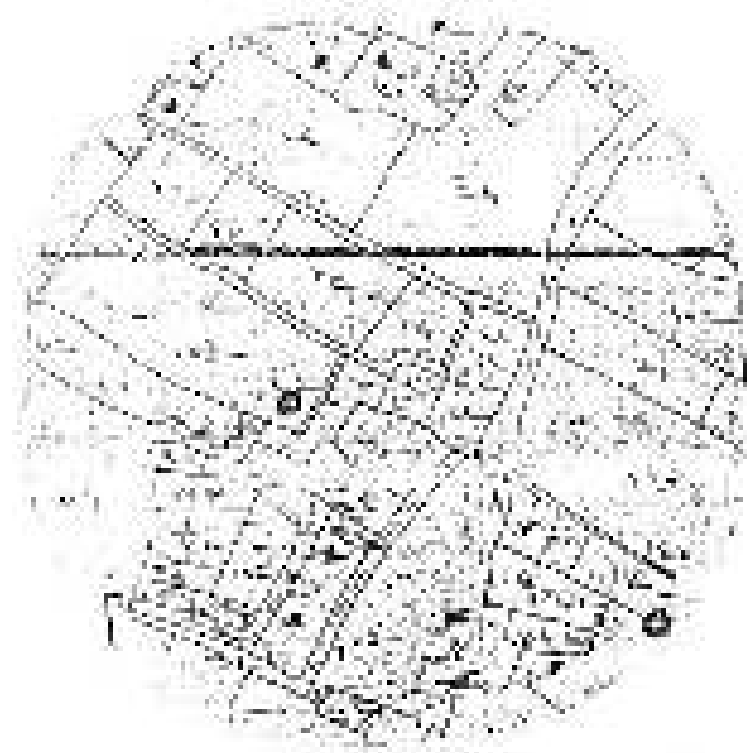
सर्वप्रथम, प्रत्येक व्यक्ति को

तकनीक

के बारे में

सुनिश्चित करना

है कि



सुनिश्चित करना

है कि

सर्वप्रथम, प्रत्येक व्यक्ति को

तकनीक



संयुक्त राज्य अमेरिका के विकास के लिए
संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र
संयुक्त राष्ट्र



संयुक्त राष्ट्र
संयुक्त राष्ट्र

For Fair Growth Res. Est. 1954-1955
Author's Signature



सर्वप्रथम सर्वोच्च न्यायालय

पृष्ठ सं.

पृष्ठ सं.

पृष्ठ सं.

पृष्ठ सं.



सर्वप्रथम सर्वोच्च न्यायालय

पृष्ठ सं.

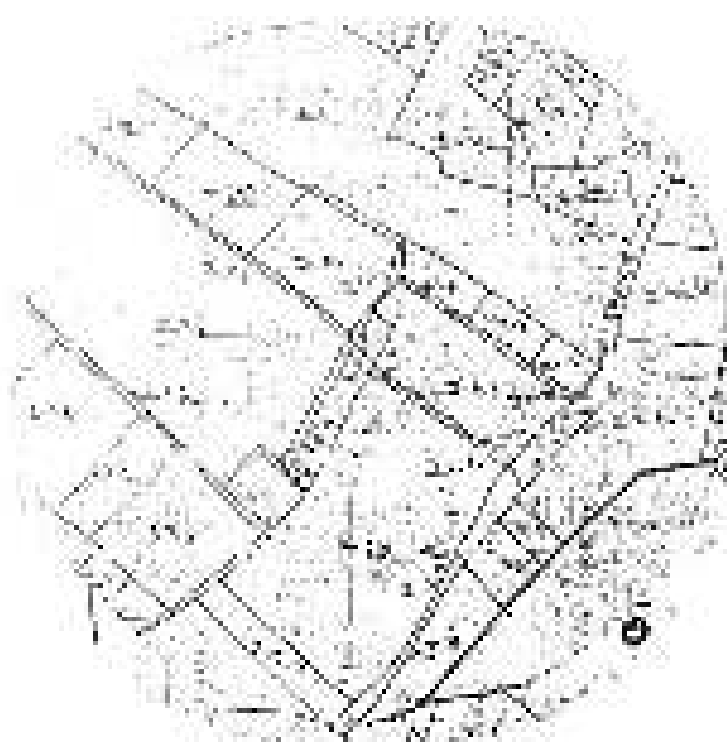
पृष्ठ सं.

सर्वप्रथम सर्वोच्च न्यायालय

पृष्ठ सं.

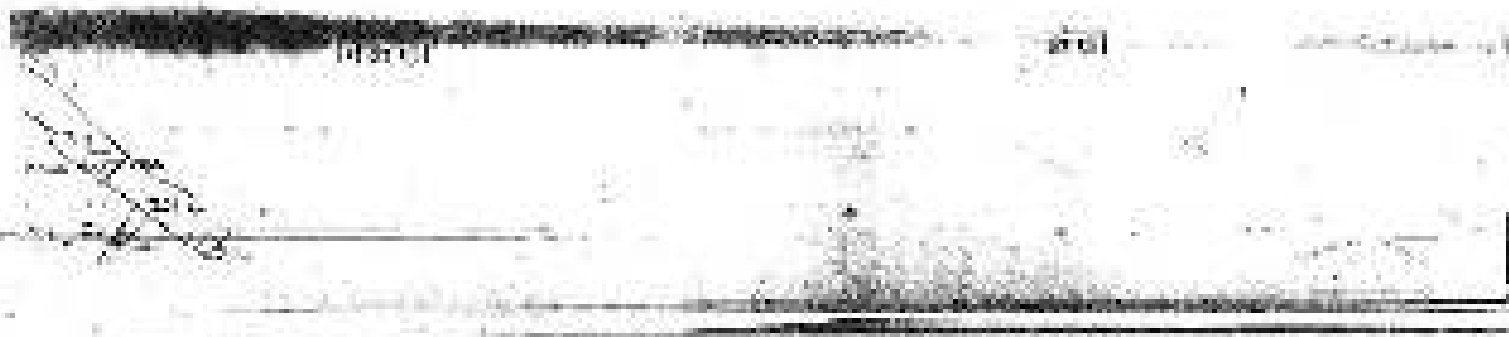
મા ડાહ્યા ભરખખર વગના નિઠનર ડાહ્યાન ર
 નિઠનર

સરખર ડાહ્યા
 સરખર



સરખર ડાહ્યા
 સરખર

સરખર



संस्कृत-भाषा-विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
काशी

प्रति,
श्रीमान्



आपका आज्ञाकारी
छात्र

॥

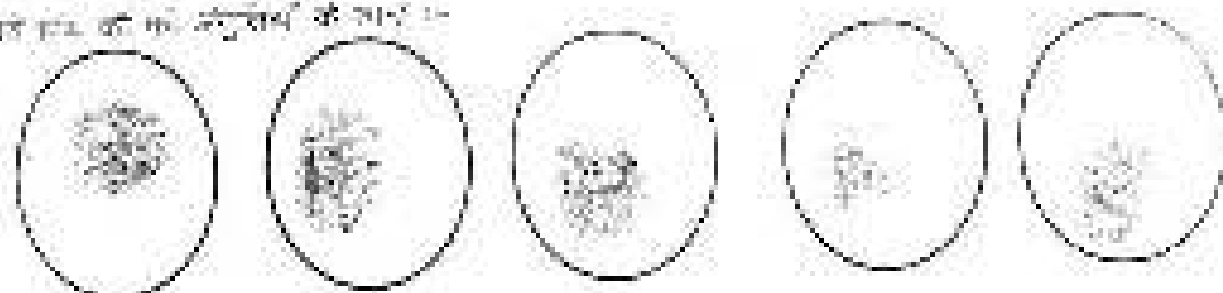
(१३.११)



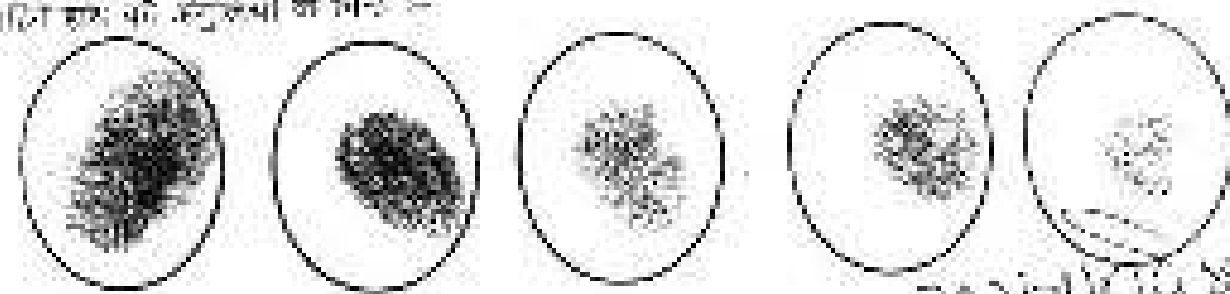
रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा - 32 द्वारा - 32 रुप के अनुपातज सेतु,
किंगडम प्रिन्टर्स

प्रमाणित/विशेष नाम व पता - ... दिल्ली ...

बाएं हाथ की की अंगुलियों के निश :-



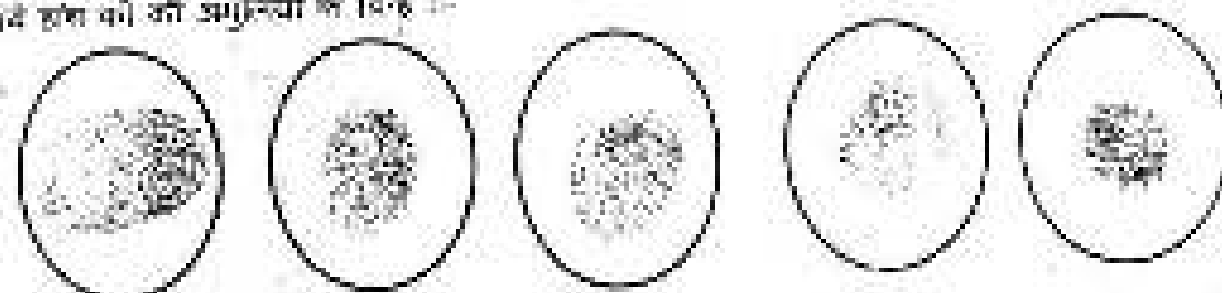
दाहिने हाथ की अंगुलियों के निश :-



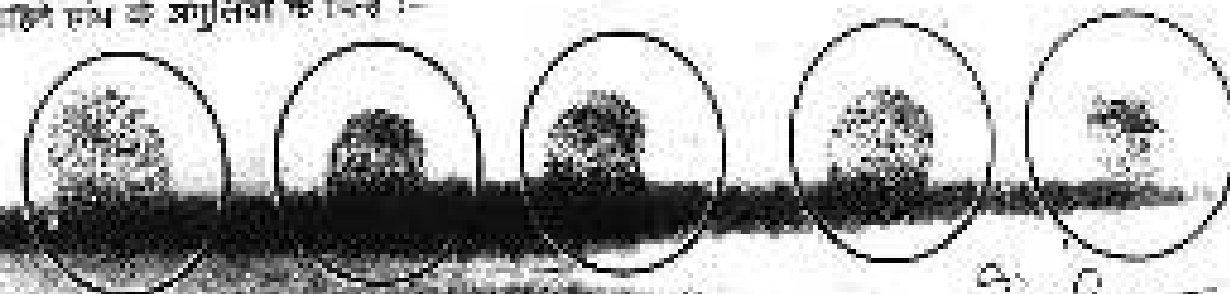
अभिहित/...

प्रमाणित/विशेष नाम व पता - ... दिल्ली ...

बाएं हाथ की की अंगुलियों के निश :-



दाहिने हाथ की अंगुलियों के निश :-



दस्तावेज/...

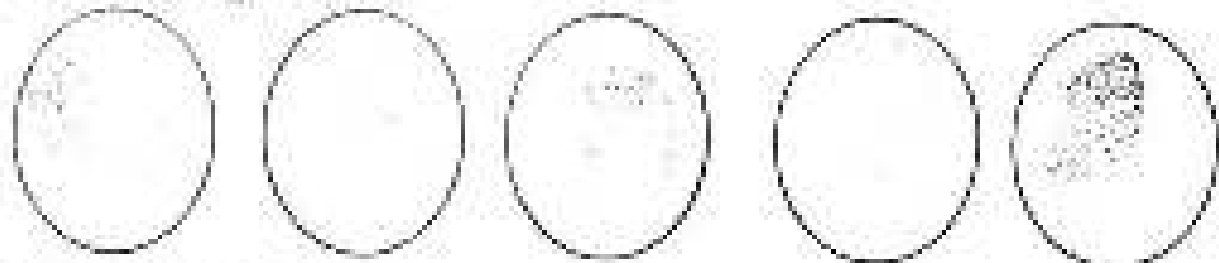
प्रमाणित/विशेष नाम व पता

रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा - 32 एड के अनुपालन हेतु रिजिस्ट्रार प्रिन्टर्स

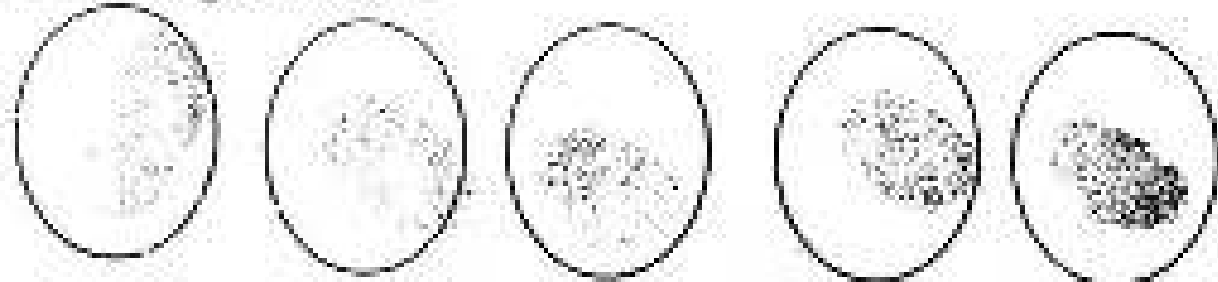
पञ्चायत का नाम व पता :-

पञ्चायत का नाम व पता :-
पञ्चायत का नाम व पता :-

पञ्चायत का नाम व पता :-



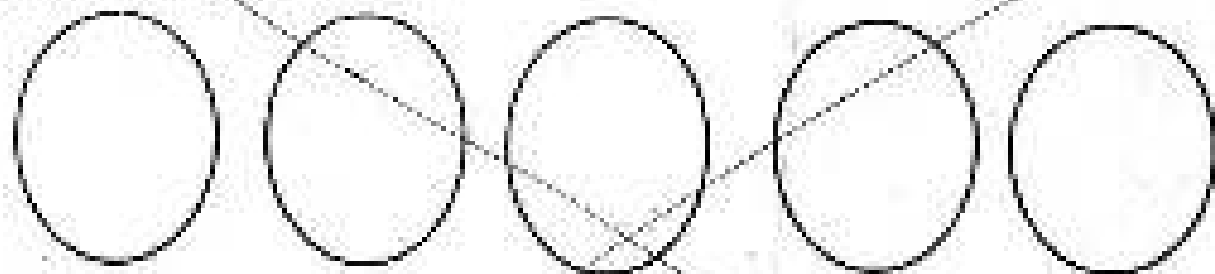
पञ्चायत का नाम व पता :-



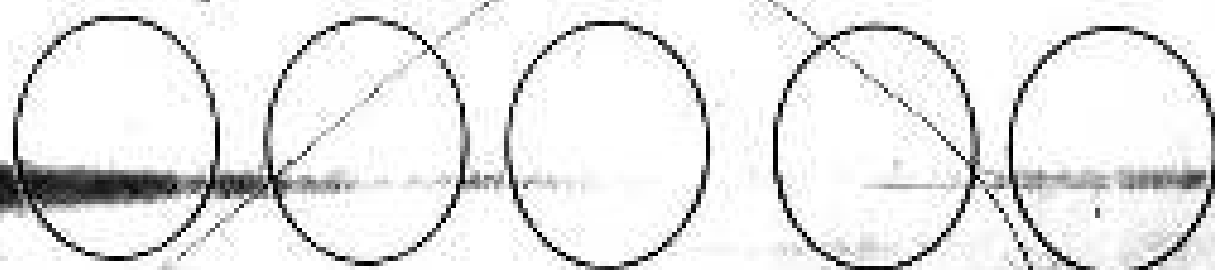
पञ्चायत का नाम व पता :-

पञ्चायत का नाम व पता :-

पञ्चायत का नाम व पता :-



पञ्चायत का नाम व पता :-



पञ्चायत का नाम व पता :-

